c. प्र dare. A. 4. 27.: तानि दिव्यानि मे ऽस्त्राणि प्रयच्छ; 11. 4.: इदम् मे तनुत्राणम् प्रायच्छत्; Bh. 9. 26. Man. 8. 158. Reddere. Man. 8. 183.: यो निक्षेपन् निक्षिप्तुर् न प्रयच्छति· — प्रयत deditus, demissus, devotus. N. 25. 2. Mah. 3. 5001.

c. प्र praef. सम् *id.* R. Schl. II. 7. 7.: धनङ् किन्तु शत्रुभ्य: सम्प्रयच्छति· Uxorem ducere. Sa. 2. 4.: किमर्थं युवतीम् भर्ता नचै ऽनां सम्प्रयच्छति·

c. सम् 1) coërcere, cohibere, opprimere. इन्द्रियाणि sensus. Bh. 2. 61. Sa. 2. 19. कोपम् iram. N. 20. 33. हयान् equos regere. Mah. 3. 12110. द्वाराणि portas occludere. Bh. 8. 12. 2) ligare, colligare. M. 40.: संयतस् तेन पाशेन; Sa. 5. 101.: केशान् संयम्य·

2. यम् 10. *p.* यमयामि vel यामयामि 1) coërcere, refrenare. 2) dare.

c. नि cohibere, refrenare. Sak. 12. 20.: नियमयसि विमार्गप्रस्थितान् आत्तदण्ड:·

1. यम *m.* (r. यम् refrenare, coërcere, domare suff. अ) *Yamus,* deus mortis et justitiae.

2. यम (r. यम् ligare, conjungere s. अ) 1) *n.* par. 2) *m. du.* gemini. Dr. 6. 29.

यमज *m.* (e यम par et ज natus) *Dual.* gemini. Dr. 3. 17.

यमत्व *n.* (a यम *Yamus* s. त्व) *Abstractum nominis* यम, nominatum esse यम (*cf.* धर्मराजता)· Sa. 5. 33.

यमुना *f.* nomen fluminis (*Jumna*).

ययाति *m.* nom. pr. regis. Sa. 2. 17.

यव hordeum. Ragh. 9. 42. (Lith. *jáwa-s* frumentum, gr. ζέα e ζέϝα.)

यवस *m.* gramen. N. 13. 3. *In dialecto Vêd.* cibus.

यविष्ठ *Superl.* τοῦ युवन् (v. sq. et cf. germ. vet. *jungisto.*)

यवीयस् *Comp.* τοῦ युवन् (v. gr. 251. et cf. goth. *juhiza* junior.)

यशस् *n.* (a perditâ r. यश् s. अस्) 1) gloria. 2) splendor. Zend. [Zend script] *âyêsê* celebro, per vim assimil. pro *â-yasê*; cambro-brit. *iesin* «radiant, glorious, fair, beautiful, gairish».)

यशस्कर (e यशस् et कर faciens, vid. *euph. r.* 79.) gloriam faciens, praebens. Br. 2. 5.

यशस्विन् (a यशस् s. विन्) gloriâ praeditus, celeber.

यशोहर (a यशस् et हर abripiens) gloriam abripiens, delens. H. 4. 4.

यष्टि *m. f.* 1) baculum. Sa. 5. 89. 2) pertica, *e. c. caveae.* Ur. 37. 5.

यष्टी *f. id.* Sa. 5. 88.

यष्टृ *m.* (r. यज् s. तृ) sacrificator. N. 12. 51.

यस् 4. et 1. *p.* anniti, operam dare. *Cf.* यत्·

c. आ 4. 1) *id.* R. Schl. II. 14. 62.: रामाभिषेकार्थम् इहा ऽयस्यति धर्मभाक्· 2) languescere, affligi, vexari. Bhatt. 6. 69.: ना ऽयस्यसि तपस्यन्ती; R. Schl. II. 20. 8.: भृशम् आयस्त:; 30. 22.: चुक्रोश ... आयस्ता· — *Caus.* vexare. R. Schl. II. 96. 39.: तान् ददर्श भर्ता काकेना ऽयासिताम्; Ur. 15. 10. *infr.*

या 2. *p. a.* ire, proficisci. N. 8. 19.: कुन्दिनं यातुम् अर्हसि; 16. 22.: दुःखस्य पारं यास्यति; In. 1. 31.: अदर्शनपथं यात:; R. Schl. I. 58. 18.: दिवं यायाम्; Bh. 4. 35.: न पुनर् मोहम् एवं यास्यसि· *Absol.* N. 6. 1.: यान्तो ददृशुर् आयान्तन् द्वापरम्· — *Caus.* facere ut eat, abeat, removere. Ragh. 9. 27.: मदयापितलज्जा· (Gr. ἵημι, ut mihi videtur forma redupl. pro *ji(j)ημι,* cum spir. asp. pro य्, sicut in ἅζω, ἧπαρ, ὅς etc. v. यज्, यकृत्, यत्; sensu caus. ἵημι convenit cum ἵστημι pro σίστημι; fut. ἥ-σω = यास्यामि; Pottius apte ἰάπτω refert ad Caus. यापयामि, ita lat. *jâcio,* mutatâ lab. in gutturalem; lith. *jóju* equo vehor, fut. *jó-su* = यास्यामि·)

c. अति transire, transgredi, pergredi. R. Schl. II. 49. 3.: ग्रामान् ... वनानिच पश्यन् अतिययौ·

c. अति praef. सम् praeterire, *de tempore.* R. Schl. I. 19. 1.: ऋतूनां षट् समत्ययु:·

c. अनु sequi. N. 9. 7. Dr. 6. 18.

c. अप abire, aufugere. Dr. 8. 35.

c. अप praef. वि *id.* Mah. 3. 775. *De tempore,* R. Schl. II. 49. 2.: व्यपायाद् रजनी·